POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-2 (Sub.)

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

दलीय व्यवस्था के गुण

दलीय व्यवस्था के गुण निम्नलिखित हैं –

① मानवीय व्यवस्था के अनुकूल :–

प्रकृतिक रूप से ही विभिन्न व्यक्तियों के स्वभाव और क्रियाऐं में बहुत भिन्नता पाई जाती है। स्वभाव से कुछ लोग उदार होते हैं तो कुछ अनुदार। क्रियाऐं और स्वभाव की यह भिन्नता राजनीतिक दलों के द्वारा ही प्रकट हो सकती है।

② लोकतंत्र के लिए आवश्यक :–

अधिकतर देशों में प्रतिनिध्यात्मक शासन प्रणाली पाई जाती है। जनता अपने प्रतिनिधि निर्वाचित करती है और इनके द्वारा ही शासन का संचालन होता है। ये कार्य राजनीतिक दल प्रणाली के सहायता से ही सम्पन्न हो सकते हैं।

③ शासन को दृढ़ता प्रदान करना :–

दलीय प्रणाली शासन को दृढ़ता प्रदान करती है। यह प्रणाली शासन को शक्ति प्रदान करती है जिसमें शासन व्यवस्था सुगमतापूर्वक चल सके।

(4) सार्वजनिक शिक्षा का साधन :-

राजनीतिक दल जनता को सार्वजनिक शिक्षा प्रदान करने के अत्यंत महत्वपूर्ण साधन है। प्रेस और अन्य माध्यमों से राजनीतिक दल अपने विचारों का अधिकाधिक प्रचार करते हैं। प्रचार और वाद-विवाद के द्वारा जनता सार्वजनिक समस्याओं पर ध्यान प्राप्त करती है।

(5) शासन की निरंकुशता पर नियंत्रण :-

दलीय व्यवस्था के अंतर्गत राजनीतिक दल द्वारा विरोधी दल के रूप में कार्य किया जाता है। विरोधी दल शासन की स्वेच्छाचारिता पर रोक लगाते हुए शासन में संतुलन बनाए रखते हैं।

(6) श्रेष्ठ कानूनों का निर्माण :-

विरोधी दल के सदस्य शासक दल द्वारा प्रस्तुत विधेयकों पर वाद-विवाद कर उनके दोष सामने लाते हैं जिससे श्रेष्ठ कानूनों का निर्माण सम्भव हो पाता है।

(7) शासन के विभिन्न अंगों में समन्वय :-

राजनीतिक दल सरकार के विभिन्न अंगों में आपसी विरोध दूर कर सामंजस्य स्थापित करते हैं।